सहनशक्ति ही प्रगति है

सहन शक्ति ही प्रगति है।
सहना ही सीखना है।
सहन शक्ति का मतलब है सीखना।
प्रगति का भी मतलब है सीखना।

संपत्ति–संग्रह, प्रगति नहीं है।
वस्तु–वाहन–संचय, प्रगति नहीं है।
आत्मज्ञान की प्रगति ही प्रगति है।
आत्मज्ञान की परम्परा ही प्रगति है।

प्रत्येक अनुभव आत्मा की गति है।
सहना ही अनुभव का सोपान है।
न सहना अनुभव पर कुल्हाड़ी का आघात है।

पूछ कर कुछ प्राप्त नही करना है।
बिना माँगे जो आया है, उसे इंकार नही करना है।
कुछ मिलने पर खुश नहीं होना है।
कुछ खोने पर दुखी नहीं होना है।

प्रत्येक अनुभव को स्वीकार करना है।
उसकी गहराई को देखना है।
यही सहनशीलता है।

महायोगी मिलारेप की तरह सहना चाहिए।
जीसस की तरह सहना चाहिए।
तीरों की शय्या पर रहने वाले भीष्म की तरह सहना है।

सहनशक्ति ज़िन्दाबाद! असहनशक्ति मुर्दाबाद!